कैलाश मनहर- 2 अप्रेल 1954 को जन्मे मनहर अपनी लोकधर्मी सृजनात्मकता के लिए लोकप्रिय हैं। सामाजिक सरोकारों में कविता बीज तलाशने वाले मनहर की कविताओं का वैचारिक दर्शन और शिल्पगत सौंदर्य उनकी लोकप्रियता के आधार हैं। देश-प्रदेश की तमाम ख्यात पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित होते रहे राजस्थान के गंभीर कवियों में गिने जाने वाले कैलाश मनहर के कविता में सहयात्रा, सूखी नदी, अवसाद पक्ष, उदास आँखों में उम्मीद, हर्फ दर हर्फ, अरे भानगढ़, मध्यरात्रि प्रलाप आदि कविता संग्रह और मेरे सहचर-मेरे मित्र संस्मरणात्मक रेखाचित्रों की पुस्तक पाठकीय सरोकारों से रेखांकित व प्रशंसित रही है। आकाशवाणी व दूरदर्शन से प्रसारित कवि मनहर अपने वैचारिक निबन्धों व टिप्पणियों से भी चर्चा में रहे हैं।